आर. मीनाक्षी सुन्दरम, आई.ए.एस.
सचिव/महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा

महानिदेशालय विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
ननूरखेड़ा, तपोवन मार्ग,देहरादून
दूरभाष नम्बरः 0135–2780483 फैक्स– 2780140
E-Mail: dgeduuk@gmail.com

गणतन्त्र दिवस संदेश

प्रदेश के समस्त छात्र/छात्राओं, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मियों/शिक्षाधिकारियों एवं समस्त अभिभावकों को 71वें गणतन्त्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आप सभी भली भॉति अवगत हैं कि सदियों की गुलामी के उपरांत हमारा देश 15 अगस्त, 1947 को आजाद हुआ। देश में सशक्त लोकतंत्र की स्थापना की व्यवस्था बनाए जाने हेतु संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर, 1949 को लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में संविधान का स्वरूप अंगीकार किया गया तथा आज ही के दिन 26 जनवरी, 1950 को देश का संविधान क्रियान्वित किया गया। यद्यपि हमारा देश 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्र हो गया था तथापि वास्तविक संवैधानिक आजादी का मार्ग 26 जनवरी 1950 को प्रशस्त हुआ।

प्रत्येक वर्ष इस पावन पर्व–गणतंत्र दिवस पर प्रत्येक भारतीय के मन में देशभक्ति की लहर और मातृभूमि के प्रति अपार स्नेह भर उठता है। यह आयोजन हमें देश के सभी शहीदों के निःस्वार्थ बलिदान की याद दिलाता है। जिन्होंने आजादी के संघर्ष में अपने प्राणों की आहुति दी। यह दिवस देश के सभी नागरिकों के लिए स्वतंत्रता, समानता, भाईचारे के आदर्शों के प्रति अपनी आस्था को प्रदर्शित करने का अवसर भी है।

भारतीय संविधान के अनुसार हमारे देश में सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न लोकतांत्रिक गणराज्य के साथ संसदीय शासन व्यवस्था का स्वरूप स्थापित किया गया है, जिसके अनुसार राष्ट्र का प्रमुख अर्थात भारत के राष्ट्रपति जनता द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से पॉच वर्षों की निश्चित समयावधि हेतु निर्वाचित किए जाते हैं। भारतीय संविधान द्वारा जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों को विधान मण्डल/संसद में कानून बनाने का दायित्व दिया गया है तथा न्याय व्यवस्था के सुचारू संचालन हेतु सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय तथा अधीनस्थ न्यायालयों का गठन किया गया है।

हमारा संविधान, हमारे गणराज्य की आधारशिला है। यह एक दूररर्शी एवं जीवंत दस्तावेज है। मेरा समस्त संस्थाध्यक्षों एवं अध्यापकों से अनुरोध है कि छात्रों को संविधान के महत्वपूर्ण प्राविधानों के सम्बन्ध में जानकारी दी जाय। अनेक महत्वपूर्ण स्मृतियां हैं, जो इस दिन के साथ जुड़ी हुई हैं, उन सभी स्मृतियों को इस पावन पर्व पर छात्रों के साथ साझा किया जाए।

आर. मीनाक्षी सुन्दरम, आई.ए.एस.
महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा

उत्तराखण्ड सरकार

महानिदेशालय विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
ननूरखेड़ा, तपोवन मार्ग,देहरादून
दूरभाष नम्बरः 0135–2780483 फैक्स– 2780140
E-Mail: dgeduuk@gmail.com

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि राज्य सरकार प्रदेश में शिक्षा के उन्नयन के प्रति दृढ़ संकल्पित है। इसी क्रम में सरकार शिक्षण संस्थाओं में मूलभूत भौतिक एवं शैक्षणिक सुविधाओं को चरणबद्ध तरीके से पूर्ण कर रही है। शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता संवर्द्धन एवं शैक्षिक सुचिता हमारा प्रमुख उद्देश्य है। प्रदेश के नौनिहालों को सर्वोत्तम एवं गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रधानाचार्यों, अध्यापकों को प्रशिक्षण तथा विद्यालयों के निरंतर अनुश्रवण पर्यवेक्षण द्वारा शैक्षिक अनुसमर्थन प्रदान किया जा रहा है। विद्यालयी शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता स्थापित करने के उद्देश्य से कक्षा 3 से 12 तक मासिक परीक्षा जैसे कार्यक्रम संचालित हैं। इन परीक्षाओं के आधार पर छात्र प्रगति का विश्लेषण करने के साथ–साथ उपचारात्मक शिक्षा भी प्रदान की जा रही है। शिक्षा की गुणवत्ता को आदर्श स्वरूप प्रदान करने हेतु मॉडल स्कूलों की स्थापना की गई है इन विद्यालयों में शैक्षिक संसाधनों एवं शैक्षिक उपकरणों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।

विद्यालयों में स्वंय सेवी संस्थाओं के सहयोग (CSR) से भी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। कक्षा शिक्षण में नवाचारी गतिविधियों हेतु ICT को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिसके क्रम में 480 माध्यमिक विद्यालयों में वर्चुअल क्लासरूम स्थापित करते हुए Virtual Class Room Teaching संचालित हो रही है। शीतकालीन अवकाश दिवसों में Virtual Class Room Teaching के माध्यम से कक्षा 11 एवं 12 के विज्ञान वर्ग के छात्रों को बोर्ड परीक्षा, जेईई, नीट एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु विषय विशेषज्ञों के माध्यम से छात्रोपयोगी कोचिंग प्रदान की गई।

मेरा अनुरोध है कि विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ावा देना श्रेष्ठ वरीयता में रखा जाय तथा शैक्षिक नवाचार का अधिकाधिक उपयोग किया जाय। शिक्षण संस्थाओं में सीखने का एक सृजनात्मक वातावरण तैयार किया जाय ताकि छात्रों में ज्ञान के सृजन हेतु रूचिपूर्ण वातावरण तैयार किया जा सके।

मेरा अन्य शैक्षिक अभिकर्मियों एवं अधिकारियों से भी अनुरोध है कि विद्यालय की समस्याओं एवं शिक्षकों के सेवा सम्बन्धी प्रकरणों का त्वरित एवं समयान्तर्गत निस्तारण किया जाय।

आर. मीनाक्षी सुन्दरम, आई.ए.एस.
सचिव/महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा

उत्तराखण्ड सरकार

महानिदेशालय विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
ननूरखेड़ा, तपोवन मार्ग,देहरादून
दूरभाष नम्बरः 0135–2780483 फैक्स– 2780140
E-Mail: dgeduuk@gmail.com

अन्त में मेरा सभी प्रधानाचार्यों, शिक्षकों एवं अभिभावकों से अनुरोध है कि गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने हेतु प्रदेश को अग्रणी राज्य स्थापित करने में हम सभी अपना–अपना अभीष्ट योगदान प्रदान करें।

एक बार पुनः सभी छात्र/छात्राओं, शिक्षकों, शैक्षणिक अभिकर्मियों, प्रधानाचार्यों, अभिभावकों, अधिकारियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं।

(आर. मीनाक्षी सुन्दरम्)
महानिदेशक/सचिव
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड